

कायातनय m. der Sohn (तनय) der Kḥājā (2, f), Saturn HALS. im ÇKDr.

कायातरु (काया + तरु) m. ein Baum, der reichlichen Schatten bietet, TRIK. 2, 4, 3. पूर्वह्नि च परह्नि च तलं यस्य न मुञ्चति । अत्यतशीतलच्छाया स च्कायातरुह्यते ॥ ÇĀṆK. zu ÇĀK. 86. MRGH. 1. — Vgl. कायाद्रुम.

कायात्मन m. der Sohn (आत्मन) der Kḥājā (2, f), Saturn TRIK. 1, 1, 94.

कायाद्रुम (काया + रुम) m. = कायातरु ÇĀK. 86.

कायापथ (काया + पथ) m. der Luftraum TRIK. 1, 1, 97. H. c. 26.

कायापुरुष (काया + पुरुष) m. der als Schatten erscheinende Puruṣa: °दर्शन Verz. d. B. H. No. 914. °लक्षण Verz. d. P. H. No. 101. — Vgl. कायामय.

कायाभृत् (काया + भृत्) m. der Mond H. 103. — Vgl. कायाङ्क, काया-मृगधर.

कायामय (von काया) adj. schattenartig: पुरुष ÇĀT. Br. 14, 3, 4, 12. 6, 9, 16.

कायामान (काया + मान) n. Schattenmesser H. 600, Sch.

कायामित्र (काया + मित्र) n. Sonnenschirm (Freund des Schattens) ÇĀBDA. im ÇKDr.

कायामृगधर (काया - मृग + धर) m. der Mond TRIK. 1, 1, 85. — Vgl. कायाङ्क, कायाभृत्.

कायायन्त्र (काया + यन्त्र) n. Sonnenuhr VARĀH. BRH. S. 2, c. 2, 3 (in einem Citat aus Garga).

कायावत् (von काया) adj. schattig, Schatten gebend, von Bäumen R. 2, 94, 10.

कायासुत m. der Sohn (सुत) der Kḥājā (2, f), Saturn H. 120. HAN. 12.

काल m. n. gaṇa अर्धर्चादि zu P. 2, 4, 31.

कालिक्य n. Bez. einer Art von Gesang: कालिक्यगानं वक्रसंविधानं य-देवगन्धर्वमुदाहरति HARIV. 8449. कालिक्यगन्धर्वम् 8435 fgg. 8530. त-तस्तु देवगान्धारं कालिक्यं अयणामृतम् । भैमस्त्रियः प्रजगिरे मनःश्रोत्रमु-खावरुम् ॥ 8689. 16334. — Vgl. कलिक.

कि m. Tadel EKĀKSHARAK. im ÇKDr.

किक्कन (onomatop. mit dem Suffix eines nom. act.) 1) n. das Niesen WILS.; vgl. ṬḤXHHNG. — 2) f. ई (Niesen bewirkend) N. einer Pflanze, Artemisia sternutatoria Roxb., BHĀVAPR. im ÇKDr. — Vgl. किक्का.

किक्कार m. ein best. Thier VARĀH. BRH. S. 83, 20. 38. 45. — Viell. eine falsche Form, da das Metrum vor क्क eine kurze Silbe erfordert; vgl. चिक्कार.

किक्का f. das Niesen ÇĀBDA. im ÇKDr. — Vgl. किक्कन.

किक्कार m. eine Art Antilope VARĀH. BRH. S. 87, 7.

किक्काका f. = किक्कानी BHĀVAPR. im ÇKDr.

कित s. u. का.

किति f. 1) nom. act. von किद् ÇKDr. WILS. — 2) N. eines Baumes (s. कारञ्ज) ÇĀBDA. im ÇKDr.

किर्त्तर (von किद्) Uṇ. 3, 1. adj. 1) zum Abschneiden u. s. w. dienend. — 2) feindlich UṇADIK. im ÇKDr. — 3) betrügerisch, schelmisch ebend. Uṇ., Sch. — Vgl. कृत्तर, किडर.

1. किद्, किर्त्तति und किन्ते DHĀTUP. 29, 3. किर्त्तित् (किर्त्तित्) P. 6, 4, 101.

2. p. imperf. अचिक्नद् und अचिक्नम् 8, 2, 75; किर्त्तये (ved.); किन्ते (!) KSHURIKOPAN. in Ind. St. 2, 172. fg.; अचिक्नत् und अचिक्नसीत् P. 3, 1, 57.

II. Theil.

केच (ved.), कित्सि (ved.), अचिक्न, अचिक्न्याम् (कित्याम् ved.) P. 3, 1, 57, Sch. 8, 2, 26, Sch.; चिक्क्रे und चिक्क्रे, चिक्क्रेत्सु P. 7, 2, 67, Sch.; केत्स्यति KĀR. 3 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10; किक्वा, केत्सुम्: अचिक्दि, किक्वि. 1) abschneiden, abhauen, abschlagen, abreißen, zerschneiden, zer-
hauen, zerreißen, spalten, durchbohren: मा तत्तुक्केदि वयंता धियं मे RV. 2, 28, 5. 1, 109, 3. चरित्रं हि वेरिवाचकेदि पर्णम् 116, 13. किन्तु सोमः शिरौ अस्य AV. 5, 29, 10. 6, 30, 1. ÇĀT. Br. 14, 1, 1, 26. 12, 2, 2, 2. 3, 9, 4, 2. 2, 1, 28. VS. 8, 61. लोम TBa. 1, 3, 10, 7. पर्णशाखाम् KĀTJ. Çr. 4, 2, 1. LĀTJ. 9, 2, 26. किन्तं सं धेयोषधे AV. 4, 12, 5. अस्त्वि 1. — नचिक्न्यान्वलोमानि M. 4, 69. BHĀG. P. 6, 18, 46. न चिक्न्यात्कार्ज्वस्तुणम् M. 4, 70. वृत्तास्तथैषधोश्चा-
पि चिक्नन्ति MBu. 3, 13827. R. 2, 80, 6. PĀNĀT. III, 260. किन्तुम् HIT. 34, 21. किन्मूला इव दुमाः R. 3, 26, 24. किक्वा जटाम् 1, 1, 86. अचिक्नन्तुमा-
ङ्गानि MBu. 3, 12163. शिरास्पयि स चिक्क्रे HARIV. 8867. तेषां किक्वा न-
यो कृत्ता M. 9, 276. R. 1, 28, 16. 3, 75, 33. विक्काम् JĀCĀ. 2, 302. KATHĀS. 2, 13. VET. 26, 6. किक्कस्त KAP. 4, 7. VID. 72, 214. 246. किक्वा वस्त्रार्थम् N. 17, 36. 10, 19. मृत्युपाशोऽपिक्नन्ति ÇYETĀÇY. Up. 4, 15. PĀNĀT. II, 86. 108, 10. HIT. 13, 9. 43, 17. VET. 5, 7. स्नेहपाशमिमं किन्धि BHĀG. P. 1, 8, 41. प्रूलं मूले स चिक्क्रे MBu. 1, 4327. नैनं किन्दति शस्त्राणि BHĀG. 2, 23. धनुरस्याशु चिक्क्रे MBu. 8, 3121. (तानाश्रुगैः) दिधा त्रिधा चाचिक्नम् 3, 820. वज्रान् u. s. w. शतधा तैः — अकर्मचिक्क्रे ARĀ. 7, 21. R. 1, 46, 23. अन्योऽन्यं किन्दता शस्त्रैः MBu. 1, 1173. सारथिं दशभिश्चास्य ध्वं चैकेन चिक्क्रे 6, 5591. HARIV. 6837. BHĀG. P. 6, 10, 15. ते किन्वर्मावरणापिक्न-
न्भिन्नाः शराक्ताः R. 3, 32, 30. नामित्रो विनिकर्तव्यो नातिचिक्क्रे: कथं च न । जीवितं क्षप्यतिचिक्नः संत्यजेच्च वादाचन ॥ MBu. 12, 3571. अन्यतर-
पार्श्ववशिष्टं (अस्थि) किन्म सुÇR. 1, 301, 11. किन्तं रोहति चासिना PĀN-
ĀT. III, 112. किन्त्यन्यान्मणोस्तु तत् (वज्रम्) RĀGA-TAR. 4, 51. कृत्वा कि-
क्वा च भिक्वा च M. 3, 33. संधिम् ein Loch in die Mauer schlagen 9, 276. pass. zerbrechen, zerreißen (intrans.): यदि रथाङ्गं शीर्येत चिक्क्येत वा ÇĀṆKU. GRUJ. 1, 15. किक्वनास्य M. 8, 291. किक्न aufgerissen, aufgeschnitten von Wunden सुÇR. 2, 18, 3. अतिचिक्न 19, 1. abgebrochen, unterbrochen. nicht zusammenhängend: अथ BHĀG. 6, 36. R. 3, 30, 12. VARĀH. BRH. S. 29, 23. इन्द्रधनुस् (अचिक्न) 34, 3. रेखाः 67, 50. 68, 14. — 2) scheiden, trennen: किर्त्ततं कृष्या गोर्धनाय कृष्यादेनुवर्तते AV. 12, 3, 37. 5, 38. 43. नास्माद्-
णापिक्क्यते ÇĀT. Br. 14, 3, 1, 10. अस्योपसया मा केत्सीतप्रजया पशुभिश्च (instr. st. abl.) 9, 4, 23. मा किंवा अस्माच्छोकात् AV. 8, 1, 1. कित्सि ÇĀṆKU. Çr. 1, 5, 9. 4, 13, 3. ablösen, absondern, herausnehmen: प्रद्वीव रङ्गचिक्न-
मनःशिलः RAGH. 12, 80. (कृष्णमृगम्) पक्षं समाज्ञाय निष्टप्तं किन्शोणि-
तम् R. 2, 36, 23. — 3) unterbrechen, stören: किन्ते च गतिकर्मणि HARIV. 16238. मध्याह्नार्कतापचिक्नदष्टि MĀKĀ. 119, 19. — 4) vernichten, zu Grunde richten, zerstören, entfernen: ब्राह्मनिवर्तान्मा च्केत्सीः (lies के°) MBu. 2, 1942. तत्प्रकेत्स्यति नाराचैर्गत्सर्वं सरात्तसम् R. 3, 70, 20. (शत-
घ्नीम्) आशां च सुरादयो — वाणैश्चिक्क्रे RAGH. 12, 96. प्रतिष्ठाम् ÇĀT. Br. 10, 5, 2, 5. क्षियते सर्वसंशयाः MUND. Up. 2, 2, 8. एतं मे संशयं सर्वं केत्सुमर्ह-
ति MBu. 1, 6890. संदेहे मे — तत्त्वतः केत्सुमर्हसि 3, 4030. गेरुर्गतिं किन्-
ति BHĀG. P. 3, 5, 11. किन्त्यादसद्गुणैः स्पृहाम् 2, 1, 15. क्रियो नीलपु-
राणोक्तामचिक्नन्नागमद्विषः RĀGA-TAR. 1, 178. तृष्ठा किन्त्यात्मनः PĀN-
ĀT. II, 128. BHĀRTR. 2, 70. दुःखे किन्त्यामर्हं ते वै MBu. in BENF. Chr. 12, 25. कौतूहलं नः परमं तच्चिक्नि HARIV. 7730. शृणो किक्वा eine Schuld til-